## नए वर्ष के पावन अवसर पर
## परम पावन आचार्यश्री महाश्रमण का मंगल संदेश

**अर्हम्**

सन् 2011 विदाई ले रहा है और सन् 2012 के स्वागत की तैयारी हो रही है। विदाई और स्वागत का यह क्रम हमें वियोग और संयोग की स्थिति का अनुभव करा रहा है। आदमी के जीवन में अनुकूलता और प्रतिकूलता की स्थिति यदा-कदा आ जाती है। उन सब स्थितियों में समभाव रखना आध्यात्मिक साधना होती है।

हम नए वर्ष का केवल स्वागत ही न करें, केवल आमोद-प्रमोद ही न करें, सन् 2012 की पवित्र योजना बनाएं। आर्थिक और भौतिक विकास की योजना बनती है, हम केवल वहीं तक सीमित न रहें। जीवन के आध्यात्मिक विकास की योजना पर भी ध्यान दें। ऐसा होने से विकास का संतुलित प्रारूप बन जाता है।

हमारा नया वर्ष पवित्र संकल्प के साथ प्रारंभ हो और वह संकल्प वर्षभर चले तो हमारे लिए नया वर्ष मंगलकारी हो सकेगा।

**आचार्य महाश्रमण**

**जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा**

प्रधान कार्यालय–3,पोचुगीज चर्च स्ट्रीट, कोलकाता–700 001
दूरभाष : (033) 2235 7956 2234 3598 फैक्स : 2234 3666
संपर्क सूत्र–रतनलाल चोपड़ा – 9461122551
हेमन्त बैद – 9672996960
Email - campoffice13@gmail.com